>

Title: Need to developvarious tourist destination in Uttarakhand.

**श्री तीरथ सिंह रावत (गढ़वाल):** धन्यवाद माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया । उत्तराखंड प्रदेश पर्यटन संभावनाओं की ओर आकर्षित करता है । उत्तराखंड में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं । पर्यटन और तीर्थाटन किसी भी देश की सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विकास में सहायक होता है । केंद्र सरकार द्वारा उत्तराखंड को पर्यटन के रूप में विशेष स्थान देने के साथ-साथ पिछले सत्र में 29 हजार करोड़ रुपये दिए गए, जिसमें केदारनाथ, बद्रीनाथ, टेहरी झील आदि विभिन्न योजनाओं के लिए पैसा आया । उत्तराखंड में असीमित पर्यटन डेस्टिनेशन्स हैं जो आज भी पर्यटन मानचित्र में अंकित नहीं हैं । व्यवस्थाओं के अभाव के कारण ये क्षेत्र पर्यटन की दृष्टि से विकसित नहीं हो पा रहे हैं । यह अपार संभावनाओं वाला क्षेत्र है, जहां अनेक रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकते हैं । उत्तराखंड के अंदर प्रतिवर्ष देश-विदेश से लाखों पर्यटक आते हैं । यहां पर धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ साहसिक एवं इको टूरिज्म भी है । साहसिक खेल के लिए अनुकूल वातावरण है । यहां पर आइस स्कीइंग का खेल औली जोशीमठ में होता है । पर्यटन को विकसित करने के लिए अनेकों स्थान उपलब्ध हैं, जिनको विकसित किया जा सकता है । उत्तराखंड में पर्यटन स्थल को मूलभूत सुविधाओं से सृजित करने के लिए तथा पर्यटन जागरूकता की दृष्टि से नए डेस्टिनेशन्स विकसित करने के लिए लैंसडाउन, भैरोगढ़ी, तारकेश्वर, बिनसर महादेव, तुंगनाथ, आदिबद्री, भविष्यबद्री, चांदपुर गढ़ी, मां नंदा, पौड़ी, खिर्सू, मुण्डनेश्वर, औली जोशीमठ, चौपता जैसे स्थान हैं ।

महोदय, एक और बात मैं आपसे कहना चाहूंगा । सेंसिटिव जोन के कारण पर्यटन स्थल विकसित नहीं हो पा रहे हैं । मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं कि इन क्षेत्रों से सेंसिटिव जोन हटाने का कष्ट

करें, जिससे पर्यटन का विकास हो और पर्यटक वहां आसानी से जा सकें । धन्यवाद ।